www.pdgroup.in
E-mail : publisher@pdgroup.in
वर्ष 36 पंचम अंक
दिसम्बर 2022

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 समसामयिक सामान्य ज्ञान
14 नोबेल पुरस्कार 2022
16 आर्थिक परिदृश्य
21 राष्ट्रीय परिदृश्य
24 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
27 क्रीड़ा जगत्
31 36वें राष्ट्रीय खेल गुजरात में सम्पन्न

32 विज्ञान समाचार
34 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
35 युवा प्रतिभा—द इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सेलेक्शन द्वारा आयोजित परीक्षा-2022 में प्रोबेशनरी ऑफीसर/मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर चयनित—काजल कुमारी
36 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
39 सारभूत तत्व कोष

लेख

42 **खगोलीय लेख**—जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप खोलेगा ब्रह्माण्ड के अनसुलझे रहस्य
44 **वानस्पतिक लेख**—राजस्थान में स्थानीय रूप से मिलने वाली प्राकृतिक वनस्पतियाँ
45 **पौष्टिक आहार लेख**—गलत खानपान से पनप रही बीमारियाँ
46 **अस्त्र-शस्त्र लेख**— जैविक-रासायनिक युद्ध एवं मानव जीवन के खतरे
48 **विज्ञान लेख**—ब्रह्माण्ड को बनाने वाले कणों की खोज
50 **पारिस्थितिकी लेख**— कार्बनिक- प्रदूषक : कारक, प्रभाव तथा उनका निवारण
52 **कृषि लेख**— (i) सर्दी में फसल बचाने हेतु पाला प्रबंधन
54 **(ii) बंजर भूमि**—एक अवलोकन
57 कॅरियर सलाह

हल प्रश्न-पत्र

59 एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (प्रथम चरण) परीक्षा, 2021 (द्वितीय पाली)
69 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) (प्रथम चरण) परीक्षा, 2021 (प्रथम पाली)

मॉडल हल प्रश्न

79 आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
88 आगामी हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (CET) 2022 हेतु विशेष हल प्रश्न
93 आगामी उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पुलिस अग्निशमन द्वितीय अधिकारी भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

आगामी अग्निवीर भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

105 सामान्य ज्ञान/सामान्य जागरूकता
109 तर्कशक्ति

विविध/सामान्य

124 **वर्षांत समीक्षा 2021**— महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
127 ज्ञान वृद्धि कीजिए
129 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **–सम्पादक**

सम्पादकीय

राष्ट्र पुत्र बनने के लिए लक्ष्य का निर्धारण कीजिए

लक्ष्यहीनता का अभाव दिशाहीनता को जन्म देता है और यही हमारे युवा वर्ग का दुर्भाग्य है. लक्ष्यबद्धता शक्तियों का संचय करती है और लक्ष्यहीनता उनका विघटन. लक्ष्यबद्ध व्यक्ति ही समाज और राष्ट्र के गौरव बनते हैं. आप पानी की बूँद की तरह अकेले ही लक्ष्य के प्रति अग्रसर हो जाएं, राष्ट्र आपको सदैव याद करेगा.

दिव्य विरासत और गौरवपूर्ण परम्पराओं वाले इस देश के वासियों में आज न जाने कैसा परिवर्तन आ गया है कि भारतीयता के नाम पर हमारे युवाओं को गर्व की अनुभूति नहीं होती है. उन्नीसवीं शताब्दी तक महानुभावों का प्रादुर्भाव करने वाले इस देश में आज महानुभावों की गणना नगण्य हो गई है.

भारत ने भौतिक क्षेत्र में तो असाधारण प्रगति की है, परन्तु पिछले कुछ वर्षों से मानव मूल्यों का अप्रत्याशित ह्रास हुआ है, उसके सन्दर्भ में अनेक व्यक्तियों के मन में राष्ट्र के भविष्य के प्रति अनेक शंकाएं एवं आशंकाएं उठने लगी हैं. फलतः समस्त भौतिक प्रगति व्यर्थ प्रतीत होने लगी है.

राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी उसकी युवा शक्ति है. अनेक देशों ने अपने प्रयत्नों द्वारा देश का निर्माण किया है. जर्मनी, जापान और दक्षिण कोरिया इसके ज्वलन्त उदाहरण हैं. हमारे देश के युवकों को भी अपने इस उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक होना चाहिए और राष्ट्र के भविष्य निर्माण के प्रति गम्भीरतापूर्वक विचार करना चाहिए. इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए युवकों को अपने व्यक्तित्व का निर्माण करना होगा, परन्तु वस्तुस्थिति निराशाजनक है. हमारा युवा वर्ग अनेक कारणोंवश चिन्तित और निराश दिखाई दे रहा है. वह न तो शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति गम्भीर है और न चरित्र-निर्माण के महत्व को ही अच्छी तरह समझता है.

ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे युवा वर्ग को राष्ट्रोत्थान की किसी भी प्रकार की गतिविधि में रुचि नहीं है और वे दिशाहीन हो गए हैं. खेल के मैदानों से लेकर विद्यालयों की कक्षाओं तक सब स्थानों पर सन्नाटा दिखाई देता है. अधिकांश युवा वर्ग उत्साहहीन और बुझा हुआ दिखाई देता है. ऐसा प्रतीत होता है कि उनको किसी प्रकार की गतिविधि में रुचि नहीं रही है.

युवा वर्ग की उत्साहहीनता का कारण लक्ष्यविहीनता ही है, उन्हें स्मरण रखना चाहिए कि जीवन में सफलता और महानता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य का निर्धारण परम आवश्यक है.

●●●